Nai Dunia (Indore), 2nd August 2024, Nai Dunia City Page-I

आइआइटी इंदौर और यूओपी के विद्यार्थी मिलकर कर रहे शोध और अनुसंधान

रिसाइकिलिंग के लिए सीखेंगे सर्वोत्तम कार्यप्रणाली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और यूनिवर्सिटी आफ प्लायमाउथ (यूओपी) के बीच संयुक्त अनुसंधान क्षमता निर्माण परियोजना का संचालन किया जा रहा है। एमओयू के माध्यम से स्टूडेंट एक्सप्रेस प्रोग्राम को बढ़ावा दिया है। स्कीम फार प्रमोशन आफ एकेडेमिक एंड रिसर्च कोलेबोरेशन व यूके-इंडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इनिशिएटिव ने ऐतिहासिक पहल की है।

इन दिनों भारत-ब्रिटेन के छात्र-छात्राएं मिलकर अनुसंधान व शोध कार्य कर रहे है। यह ऐसा पहला अवसर है कि जब संस्थान स्नातक छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। परियोजना का नेतृत्व आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर संदीप चौधरी और यूनिवर्सिटी आफ प्लायमाउथ (यूओपी) यूके के डा. बोक्सुन किम संयुक्त रूप से करने में लगे हैं।

आइआइटी इंदौर में रिसाइकिल वस्तुओं के बारे में समझाते विद्यार्थी। ● संस्थान

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि यह परियोजना स्थायी कंक्रीट निर्माण में भविष्य के शोधकर्ताओं को प्रेरित करने पर केंद्रित है। इसमें छात्र रिसाइकिलिंग का उपयोग करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां सीखेंगे और उन्हें निर्माण उद्योग में लागू करने के लिए प्रशिक्षित होंगे। इस परियोजना में आइआइटी इंदौर के 10 छात्र और यूओपी के 10 छात्र एक महीने के अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंज कार्यक्रम सहित अनुसंधान प्रशिक्षण में भाग लेंगे। वर्तमान में इस परियोजना के तहत यूके से दो संकाय सदस्यों और आठ छात्रों की एक टीम संस्थान में मौजूद है। वे कहते हैं कि परियोजना के तहत दोनों देशों के उभरते इंजीनियर्स को स्थायी निर्माण कार्यप्रणालियों में विशेषज्ञता हासिल करने को लेकर ट्रेनिंग चल रही है। निर्माण क्षेत्र और उद्योग को रिसाइकल का उपयोग करने में कठिनाई हो रही है। उद्योगों के धीमी गति से बदलाव को लेकर कई कारण है, जिसमें वर्तमान कार्यबल में प्रासंगिक कौशल या स्थायी निर्माण कार्यप्रणालियों को अपनाने की प्रेरणा का अभाव है। कुशल और प्रेरित कार्यबल की इस कमी ने प्रोफेसर चौधरी और डा. किम को मिलकर कार्यक्रम को डिजाइन करने के लिए प्रेरित किया, जो अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में इसी तरह की अवधारणाओं पर काम कर रहे हैं। प्रो. चौधरी ने कहा कि स्नातक छात्रों को कम उम्र में ही शोध और प्रशिक्षण के अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुभव मिलेगा। परियोजना से स्थायी परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित कुशल कार्यबल तैयार करना है। केंद्रित अधिक छात्र एक्सचेंज कार्यक्रमों को प्रेरित करने की उम्मीद है।

आइआइटी और यूओपी संस्थान के विद्यार्थी। ● संस्थान